पाठ 16

कौन करेगा यह काम ?

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 147)

प्रश्न 1. क्या तुमने अपने आस-पास ऐसे दृश्य देखे हैं?

उत्तर: हाँ, मैंने अपने आस-पास ऐसे दृश्य देखे हैं।

प्रश्न 2. क्या कभी सोचा है, यह काम करना लोगों को कैसा लगता होगा?
उत्तर: हाँ, मैं इसके बारे में हमेशा सोचता हूँ, यह काम करना लोगों को निश्चित रूप से खराब लगता होगा।

प्रश्न 3. लोगों को ऐसे काम क्यों करने पड़ते हैं?
उत्तर: लोगों को ऐसे काम मुख्य रूप से गरीबी तथा जीविकोपार्जन के लिए करने पड़ते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 148)

लिखो।
जो लोग तुम्हारे घर और स्कूल के आस-पास की सफाई करते हैं, उनसे बातचीत करो और लिखो।

प्रश्न 1. वे कब से यह काम कर रहे हैं?
उत्तर: वे पिछले दस वर्षों से यह काम कर रहे हैं।

प्रश्न 2. कहाँ तक पढ़े हैं?
उत्तर: वह सातवीं कक्षा तक पढ़ा है।

प्रश्न 3. क्या उन्होंने और कोई काम ढूँढ़ने की कोशिश की?
उत्तर: नहीं।

प्रश्न 4. क्या उनके परिवार के बड़े-बूढ़े भी यही काम करते थे?
उत्तर: हाँ, उनके परिवार के बड़े-बूढ़े भी यही काम करते थे।

प्रश्न 5. उनको इस काम में क्या परेशानियाँ आती हैं?
उत्तर: उनको इस काम में कोई परेशानी नहीं आती है, केवल समाज में उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 149)

प्रश्न 1. इस चित्र में किस तरह के काम किए जा रहे हैं? पाँच कामों के नाम लिखो।

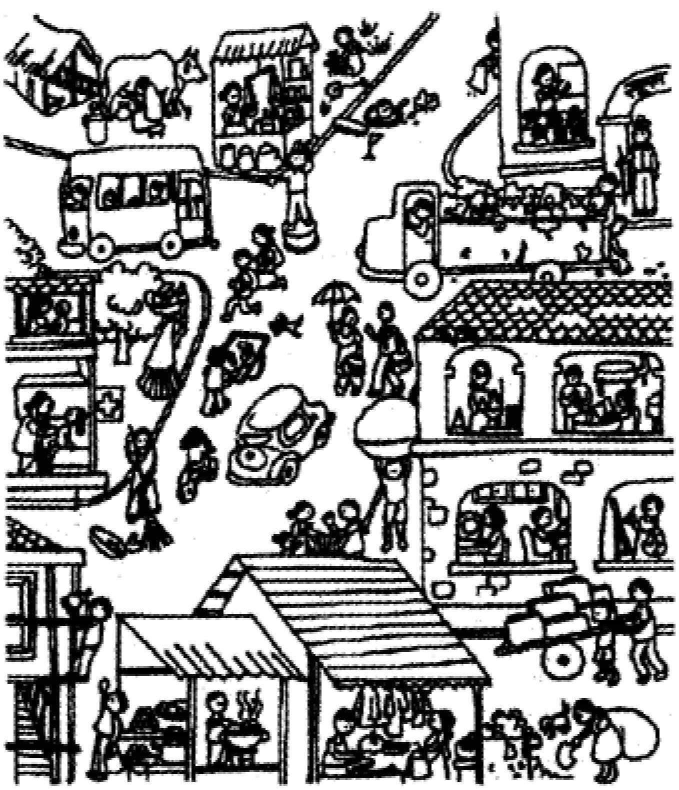

उत्तर: इस चित्र में किये जाने वाले कामों में पाँच निम्नांकित हैं-

1. दूध दूहना

2. खाना बनाना
3. बाल काटना
4. झाड़ लगाना
5. गाड़ी चलाना

प्रश्न 2. इस चित्र में दिखाये गये कामों में से कोई पाँच काम तुम्हें करने हों, तो तुम कौन से काम चुनोगे? क्यों?
उत्तर:

1. झाडू लगाना-क्योंकि यह काम सभी लोग नहीं करना चाहते हैं, पर किसी को तो सफाई करनी होगी, गाँधी जी ने भी इस काम को किया था। इसलिये मैं यह काम करना चाहूंगा।
2. बाल काटना-बाल काटना एक कला है, आजकल बाल काटने की अलग से पढ़ाई होती है। पढ़ाई करके बाल काटने पर ज्यादा पैसा कमाया जा सकता है।
3. स्कूल जाना-पढ़ाई करने के लिए
4. गाड़ी चलाना-गाड़ी चलाने में बहुत मजा आता है।
5. गाय दूहना-दुग्ध उत्पादन में भारत सर्वप्रथम है, मैं उसमे योगदान देना चाहूँगा।

प्रश्न 3. इनमें कौन से पाँच काम तुम नहीं चुनोगे? क्यों?
उत्तर:

1. ठेला चलाना-यह बहुत ही मेहनत का काम है।
2. खाना बनाना-खाना बनाने में काफी परेशानी होती है।
3. बच्चे को खेलाना-बच्चे बहुत बदमाश होते हैं तथा परेशान करते हैं।
4. दीवारों पर रंग करना-यह एक जोखिम भरा काम है।
5. ठेले पर समान बेचना-इसमें बहुत पैदल चलना होता है। चर्चा करो

प्रश्न 4. तुम्हारी समझ में किस तरह के काम करना लोग पसंद नहीं करते? क्यों?
उत्तर: मेरी समझ से सफाई कार्य करना लोग पसंद नहीं करते हैं क्योंकि यह एक गंदा काम माना जाता है।

प्रश्न 5. फिर इस तरह के काम कौन करता है? ये लोग ऐसे काम क्यों करते हैं जिन्हें कोई भी करना पसंद नहीं करता?
उत्तर: लोग मजबूरी तथा गरीबी के कारण इस तरह के काम अपनी जीविकोपार्जन के लिए करते हैं।
कल्पना करो।

प्रश्न 6. अगर कोई भी यह काम न करे तो क्या होगा? यदि एक हफ्ते तक कोई भी तुम्हारे स्कूल या घर के आस-पास फैला कूड़ा-कचरा साफ न करे तो क्या होगा?
उत्तर: तो चारों तरफ गंदगी तथा बदबू फैलने लगेगी तथा वहाँ पर रहना मुश्किल हो जायेगा।

प्रश्न 7. कचरा साफ करने के कुछ अलग तरीके जैसे मशीन या और कोई तरीका सोचो, जिससे लोगों को नापसंद काम न करना पड़े। अपने सोचे गए तरीके को चित्र बनाकर दिखाओ।
उत्तर: कचड़ा साफ करने के लिए मन (रोबोट) का उपयोग किया जा सकता है।

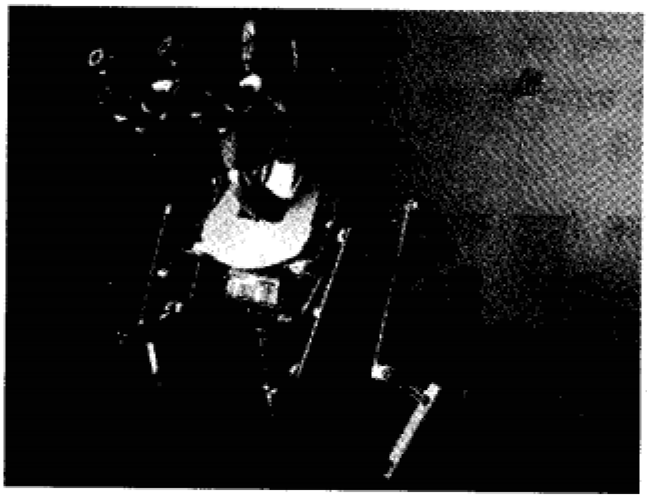

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 151)

बताओ

प्रश्न 1. गांधीजी ने भी खुद और अपने साथियों के साथ सफाई का काम करना क्यों शुरू किया होगा? तुम्हें क्या लगता है?
उत्तर: इसलिये कि दूसरे लोगों को दूसरे का गंदा नहीं साफ करना पड़े। मुझे लगता है कि यदि सभी लोग अपना गंदा खुद साफ कर लें तो दूसरे व्यक्तियों को ऐसा गंदा काम नहीं करना पड़ेगा।

प्रश्न 2. क्या तुम ऐसे किन्हीं लोगों को जानते हो जो आस-पास के लोगों की कठिनाईयों को आसान करने की कोशिश करते हैं? पता करो।
उत्तर: हाँ, मेरे मुहल्ले में एक भद्र पुरूष हैं, जो लोगों को कठिनाईयों में देखकर उसे आसान या ठीक करने का कोशिश करते हैं। जैसे-यदि नाला जाम हो जाये, तो वे अपने जैसे विचार वाले लोगों के साथ मिलकर नाले की सफाई का कार्य शुरू कर देते हैं।

प्रश्न 3. गांधीजी के आश्रम में आने वाले नए मेहमानों को भी इस काम को सीखना पड़ता था। अगर तुम इन मेहमानों में से होते तो तुम क्या करते?
उत्तर: अगर मैं गाँधी जी के आश्रम में मेहमान होता तो मैं भी उस काम (सफाई के काम) को करता।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 152)

प्रश्न 1. तुम्हारे घर में 'टॉयलेट' की क्या व्यवस्था है?
उत्तर: मेरे घर में सेप्टिक टॉयलेट है।

प्रश्न 2. 'टॉयलेट' घर के अंदर है या बाहर?
उत्तर: टॉयलेट घर के अंदर है।

प्रश्न 3. 'टॉयलेट' कौन साफ करता है?
उत्तर: टॉयलेट हम घर के सदस्यों में से कोई भी साफ करते हैं।

प्रश्न 4. गाँव में गंदी संडास की तरफ से लोटा लेकर आ रहे आदमी ने महादेवभाई के साथ कैसा बर्ताव किया? क्यों?
उत्तर: गाँव में गंदी संडास की तरफ से लोटा लेकर आ रहे आदमी ने महादेवभाई के साथ खराब व्यवहार किया। क्योंकि उस समय सफाई करने वाले लोगों को अछूत माना जाता था।

प्रश्न 5. जो लोग टॉयलेट और नालियों वगैरह की सफाई का काम करते हैं, उनसे आम लोगों का किस तरह का बर्ताव होता है? लिखकर समझाओ।
उत्तर: बहुत पहले पुराने जमाने में टॉयलेट और नालियों वगैरह की सफाई का काम करनेवाले में को अछूत माना जाता था तथा उनके साथ अच्छा वर्ताव नहीं किया जाता था। फ्रन्तु आज ऐसी बात नहीं है, आज उन्लोगों के साथ भी अच्छा वर्ताव किया जाता है तथा उन्हें अछूत नहीं माना जाता है।

प्रश्न 6. नारायण और बाबासाहब के बचपन की बात तो अब कई साल पुरानी है। क्या आज हालात बदल गये हैं?
उत्तर: हाँ, आज हालात बदल गये हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 153)

बताओ

प्रश्न 1. तुम्हारे स्कूल की सफाई कौन करता है?
उत्तर: हमारे स्कूल की सफाई स्कूल में पदस्थापित सफाई कर्मचारी करता है।

प्रश्न 2. क्या-क्या साफ करना पड़ता है?
उत्तर: उसे स्कूल के सारे कमरे, बरामदे, बेंच-डेस्क, कुर्सियाँ तथा टॉयलेट आदि साफ करना पड़ता है।

प्रश्न 3. क्या तुम्हारे जैसे बच्चे इसमें मदद करते हैं? अगर हाँ, तो किस तरह की?
उत्तर: हाँ, मेरे जैसे बच्चे इस काम में मदद करते हैं। स्कूल में प्रत्येक क्लास के बच्चे को बारी-बारी से एक दिन स्कूल की सफाई के काम में मदद करना पड़ता है।

प्रश्न 4. अगर मदद नहीं करते तो क्यों नहीं?
उत्तर: सभी बच्चे मदद करते हैं। यदि कोई बच्चा मदद नहीं करता तो मैं समझता हूँ कि वह सफाई के काम को गंदा मानता

प्रश्न 5. क्या सभी बच्चे सभी तरह के काम करते हैं?
उत्तर: हाँ, अपनी-अपनी बारी के अनुसार।।

प्रश्न 6. काम करने के लिए क्या क्लास की पढ़ाई छूट जाती है?
उत्तर: नहीं, काम करने के लिए रूटीन में प्रावधान किया गया है।

प्रश्न 7. क्या लड़के और लड़कियाँ एक ही तरह के काम करते हैं?
उत्तर: बारी-बारी से सभी को सभी काम करना पड़ता है, परन्तु लड़कियों को प्रायः कम मेहनत का काम सौंपा जाता है।

प्रश्न 8. घर में तुम किस तरह के काम करते हो?
उत्तर: घर में मैं पढ़ाई के अलावा अपने माता-पिता को उनके हरेक काम में हर संभव मदद करता हूँ। जैसे मम्मी को घर साफ करने में मैं मदद करता हूँ।

प्रश्न 9. क्या लड़के-लड़कियों और मर्द-औरतों के किए जाने वाले कामों में समानता है?
उत्तर: नहीं, कुछ समाज में लड़के-लड़कियों और मर्द-औरतों के किये जाने वाले कामों में समानता नहीं है। समाज के द्वारा दोनों को अलग-अलग कार्य सौंपे गये हैं।

प्रश्न 10. क्या तुम इसमें कुछ बदलाव लाना चाहोगे? किस तरह का?
उत्तर: मैं चाहूंगा कि प्रबुद्ध समाज की तरह हर जगह दोनों को समान अवसर मिले।

हम क्या समझे

प्रश्न 1. गांधीजी समझते थे कि हम सभी को हर तरह का काम करना सीखना चाहिए। इस बारे में तुम्हें क्या लगता है? अगर ऐसा हो तो क्या-क्या बदल सकता है? तुम्हारे घर में कुछ बदलाव आ सकते हैं?
उत्तर: ऐसा हो तो हमारा पूरा समाज बदल सकता है। मेरे घर में सभी लोग सभी तरह का काम करते हैं। मेरे घर में किसी बदलाव की जरूरत मैं नहीं समझता हूँ।